केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA
*(संसद के अधिनियम /द्वारा स्थापित 2009 वर्ष ,Established under the Act of Parliamentin 2009)*
**TEJASWINI HILLS, PERIYA P.O., KASARAGOD – 671316,KERALA**

**HEAD**
**DEPARTMENT OF HINDI & COMPARATIVE LITERATURE**

CUK/HEAD/HINDI/2594/2021

**Board of studies meeting Dept. of Hindi & Comparative Literature held on 21st April 2021**

**Venue** : HoD Chamber/online

**Agenda** : Restructure of syllabus of M.A Hindi, Ph.D Course work, PG Diploma course in Hindi Translation and Office Procedure, PG Diploma in Hindi Journalism and Media Writing and Hindi Communicative Bridge Course.

**Chair** : Dr. Taru S.Pawar, Head of the Department

**Board of studies Members**

| Sl No | Name of the Members | Designation | Signature |
|---|---|---|---|
| 01 | Dr. Taru S. Pawar | Chairperson | Online |
| 02 | Prof. Sudha Balakrishnan | Member | Online |
| 03 | Dr. Dharmendra Pratap Singh | Member | Online |
| 04 | Dr. Shalini M | Member | Online |
| 05 | Dr. Jayanti Prasad Nautiyal | Member | Online |
| 06 | Prof. R. Jayachandran | Member | Absent |
| 07 | Prof. Shanti Nair | Member | Online |
| 08 | Dr. Suma T. Rodanwar | Member | Online |

21/5/21

**Dr. Taru S. Pawar**
**Chairperson**

विभागाध्यक्ष / Head of the Dept.
हिन्दी विभाग / Dept. of Hindi
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Kerala
कासरगोड / Kasaragod

हिन्दी विभाग / Department of Hindi
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Kerala
कासरगोड / Kasaragod

# केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय

# CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

**School of Languages and Comparative Literature**
**Department of Hindi and Comparative Literature**

भाषा एवं तुलनात्मक साहित्य विद्यापीठ
हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

पाठ्यक्रम
पी.जी.डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन
प्रवेश वर्ष 2021 से प्रारंभ

**Syllabus**
**P.G. Diploma in Hindi Journalism and Media Writing**
**Admission 2021 Onwards**

## पाठ्यक्रम समिति
## पी.जी.डिप्लोमाहिन्दीजनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

### पाठ्यक्रम समिति :

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | डॉ. तारु एस.पवार | उपाचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल | अध्यक्ष |
| 02 | प्रो. सुधा बालकृष्णन | आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल | सदस्य |
| 03 | डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह | सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल | सदस्य |
| 04 | डॉ. शलिनी एम. | सहायक आचार्य, अँग्रेजी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल | सदस्य |
| 05 | डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल | डायरेक्टर जनरल, वैश्विक हिन्दी शोध संस्थान, देहरादून | सदस्य |
| 06 | प्रो. (डॉ.) जयचन्द्रन | आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, केरल | सदस्य |
| 07 | प्रो. (डॉ.) शांति नायर | आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी, केरल | सदस्य |
| 08 | डॉ. सुमा रोडनवाल | उपाचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, विश्वविद्यालय कॉलेज मंगलोर, कर्नाटक | सदस्य |

## Syllabus Committee
## P.G. Diploma Hindi Jansanchar Madhyam Aur Media lekhan

### Syllabus Committee:

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | Dr. Taru S. Pawar | Associate Professor & Head, Department of Hindi, CUK. | Chairperson |
| 02 | Prof. Sudha Balakrishnan | Professor, Department of Hindi, CUK. | Member |
| 03 | Dr. Dharmendra Pratap Singh | Assistant Professor, Department of Hindi, CUK. | Member |
| 04 | Dr. Shalini M | Assistant Professor, Department of English, CUK. | Member |
| 05 | Dr. Jayanti Prasad Nautiyal | Director General, Global Hindi Research Institute, Dehradun. | Member |
| 06 | Prof. (Dr.) Jayachandran R. | Professor & Head, Department of Hindi, Kerala University, Kerala | Member |
| 07 | Prof. (Dr.) Shanti Nair | Professor & Head, Deaprtment of Hindi, Sree Sankarachayaya University of Sanskrit, Kalady, Kerala. | Member |
| 08 | Dr. Suma T. Rodanvar | Associate Professor & P.G. Co-ordinator, Department of Hindi, University College, Mangalore, Karanataka. | Member |

# पाठ्यक्रम

## पी.जी. डिप्लोमा हिन्दी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

| Code | पाठ्यक्रम व विषयवस्तु | L | T | P | C |
|---|---|---|---|---|---|
| | आधारभूत पाठ्यक्रम | | | | 20 |
| LHC 4101 | हिंदी पत्रकारिता का सामान्य परिचय | 3 | 1 | | 4 |
| LHC 4102 | संपादन सिद्धांत एवं लेखन | 3 | 1 | | 4 |
| LHC 4201 | रिपोर्टर और संवाददाता की कार्य पद्धतियाँ और प्रकार | 3 | 1 | | 4 |
| LHC 4202 | जनसंचार माध्यम और सम्प्रेषण | 3 | 1 | | 4 |
| LHC 4203 | लघुशोध प्रबंध और पूर्व प्रस्तुति | | | | 4 |

## पी.जी.डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन (Course: P. G. Diploma course in Hindi Jansanchar Madhyam aur Media Lekhan) :

### प्रोग्राम परिचय (Programme Introduction) :

प्रौद्योगिकी विकास में जनसंचार माध्यम एक नैसर्गिक अवश्यकता हैं। इसके अनुपस्थिति में मानव अस्तित्वहीन है । मनुष्य भूखा प्यासा एक पल रह सकता है, पर संचार के बगैर नहीं। सूचना- क्रांति के दौर में जनसंपर्क एक**सम्प्रेषण-विज्ञान** का कार्य करती हैं। सूचनाओं और समाचारों का संकलन मात्र नहीं बल्कि जीवन के शाश्वत, नैतिक सांस्कृतिक मूल्यों को वर्त्तमान के घटानक्रम को जाँचने और परखने का माध्यम है। सम्पूर्ण समाज और राजस्व-व्यवस्था का नियामक है। सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और राजनैतिक संघर्षों की छंटा को यथावत रूप में उभारने का कार्य करती है तो दूसरी ओर परस्पर सहमति और सौहार्द्र स्थापित करती है। यह वह कला है, जो मानव-व्यवहार को अपने अनुकूल मोड़ सकती है। मीडिया की उपादेयता को देखते हुए इसमें रोजगार की अनंत संभावनाएं हैं, जो आज संचार, जनसंचार और जनसंपर्क के रूप में देख पातें हैं । केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय इन्हीं संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए '**पी.जी. डिप्लोमा हिंदी जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन**' पर एक वर्षीय पाठ्यक्रम आरम्भ किया है। मीडिया में करियर्स बनाने के प्रति शहरी और ग्रामीण छात्रों का रुझान वर्ष 2000 के बाद बड़ी तीव्रता से बढ़ी है जिसमें दृश्य-श्रव्य संचार माध्यम मुख्य रूप से आकर्षण के केंद्र रहा है। सूचना ग्रहण से लेकर सूचना प्रसारण तक के बीच संचार को अनेक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। (संचार लेखन से संचार प्रस्तुति तक) इन प्रक्रियाओं को पूरा करनेहेतु - चुनौतियों को स्वीकार करनेवाले युवाओं की रोजगार हेतु मांग बढ़ी है। रिपोर्टिंग, संपादन, कार्टूनिस्ट, कंप्यूटर आपरेटर, डिज़ाइनर, प्रूफ रीडर, पेज सेटर, टी.वी. रिपोर्टिंग, न्यूज़ रीडर, एंकरिंग आदि के अलावा अनेक तकनिकी प्रयोक्ताओं की आवस्यकता पड़ती है।

### प्रोग्राम उपादेयता (Programme Outcome) :

एक वर्षीय रोजगारपरक (skill based programme) पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् छात्र मीडिया से संबंधित सभी क्षेत्रों और उपकरणों का ज्ञान प्राप्त कर आजीविका हासिल कर सकता है। सूचना संग्रह से सूचना प्रसारण तक के बीच संचार को अनेक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है संचार लेखन से संचार प्रस्तुति तक ।इन प्रक्रियाओं को पूरा करनेहेतु चुनौतियों को स्वीकार करनेवाले युवाओं की आवश्यकता होनी है। रिपोर्टिंग, संपादन, कार्टूनिस्ट, कंप्यूटर ओपेरटर, डिज़ाइनर, प्रूफ रीडर, पेज सेटर, टी.वी. रिपोर्टिंग न्यूज़ रीडर,

एंकरिंग आदि के अलावा अनेक तकनिकी प्रयोक्ताओं की आवश्यकता पड़ती है। फिलांसर के रूप में विज्ञापन एजेंसी, समाचार एजेंसी, बाजार-उपभोक्ता-उत्पादक-विनिमय-उपयोगिना-निवेश-गुणवत्ता आदि से संबंधित अनुसंधान एजेंसी के रूप में रोजगार की संभावनाएं बन सकती है। लेखन कार्य के रूप में समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएं, प्रकाशन संस्थान आदि में रोजगार प्राप्त किया जा सकता हैं।